Shikshan Sanshodhan : Journal of Arts, Humanities and Social Sciences ISSN: 2581-6241 Volume - 3, Issue - 6, Nov-Dec – 2020
Bi-Monthly, Peer-Reviewed, Refereed, Indexed Journal Impact Factor: 3.589
Received on : 14/12/2020 Accepted on : 28/12/2020 Publication Date: 30/12/2020

आधुनिक संचार साधनों की सूचना प्राप्ति में उपयोगिता: एक अध्ययन

डॉ.प्रदीप त्रिवेदी
पुस्तकालयाध्यक्ष एवं प्रमुख, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग
शासकीय महाविद्यालय बरघाट, जिला सिवनी (म.प्र.)
E-mail - ignou15112@gmail.com / drpktrivedi1966@gmail.com

सारः- वर्तमान सूचना क्रांति के इस युग में सूचना का प्रभावपूर्ण प्रयोग आधुनिक संचार तकनीकों की सहायता से सफलता पूर्वक किया जा रहा है। परिणामस्वरूप पुस्तकालयों के पाठकों को सूचना प्रदाय करना आसान हो गया है। वर्तमान इंटरनेट संसाधनों तथा सामाजिक मीडिया के बढ़ते प्रभाव ने विद्यार्थियों की सूचना आवश्यकताओं तथा पुस्तकालय द्वारा प्रदाय की जाने वाली सूचना सेवाओं में पूर्ण परिवर्तन कर दिया है। यह अध्ययन शासकीय महाविद्यालय बरघाट, जिला सिवनी के अध्ययनरत छात्र/छात्राओं के संदर्भ मे किया गया है। अध्ययन में प्रश्नावली को आंकड़े संग्रहण करने हेतु चयन किया गया है। इसके अतिरिक्त पूर्व प्रकाशित लेखों तथा अवलोकन विधि का भी प्रयोग इस अध्ययन में किया गया है। अध्ययन से यह निष्कर्ष निकाला गया है कि विद्यार्थियों में सूचना प्राप्ति के पारंपरिक स्त्रोंतों से जानकारी प्राप्त करने का ढंग परिवर्तित हो गया है। वर्तमान पाठक आधुनिक संसाधनों का प्रयोग प्रभावी ढंग से कर रहे हैं। आधुनिक सूचना तकनीक के प्रयोग में आने वाली कठिनाइयों का अध्ययन भी इस शोध पत्र में किया गया है।

बीजक शब्दः- संचार, पाठक सेवायें, पुस्तकालयपाठक, सूचना पुनः प्राप्ति, सूचना संसाधन, सूचना क्रांति।

1. प्रस्तावना :

1980 के दशक के पश्चात् सूचना संचार तकनीक के प्रयोग ने परांपरागत पुस्तकालय सेवाओं को पूर्ण रूप से परिवर्तित कर दिया है। इसका महत्वपूर्ण प्रभाव यह हुआ है कि पाठकों की सूचना आवश्यकताओं में भी परिवर्तन आ गया है, साथ-साथ उनके सूचना एकत्रित करने के ढंग में भी परिवर्तन आया है। मल्टीमीडिया संसाधनों ने पुराने चले आ रहे पाठ्य पुस्तकों, पत्रिकाओं तथा अन्य अध्ययन सामग्री को अंकीय (डिजीटल) रूप में परिवर्तित कर दिया है। आधुनिक सूचना तकनीक के प्रयोग से सूचना सेवाओं को दक्षता पूर्ण ढंग से तात्कालिक प्रदाय किया जा सकता है। यह एक सस्ता संसाधन है तथा एक साथ कई पाठक इस से लाभान्वित हो सकते हैं। इसे व्यक्तिगत प्रभावीढंग तथा पारदर्शी तरीके से प्रदान किया जा सकता है। सूचना तकनीकी के प्रयोग से शोध की नई दिशाओं की संभावनाओं का पता लगाया जा सकता है। परिणामस्वरूप सूचना उत्पादन, संग्रहण तथा सूचना संचार बेहतर तरीके से किया जा सकता है।

2. उद्देश्य :

- आधुनिक सूचना संसाधनों की पुस्तकालय सूचना सेवाओं को प्रदान करने में उपयोगिता का पता लगाना।
- विद्यार्थियों में आधुनिक सूचना संसाधनों के प्रयोग के बारे में जागरूकता का पता लगाना।
- पुस्तकालयों में सूचना तकनीक के उपलब्ध साधनों का विस्तारपूर्वक अध्ययन करना।
- पुस्तकालयों में आधुनिक सूचना तकनीक के प्रयोग में आने वाली कठिनाइयों का पता लगाना।
- आधुनिक सूचना तकनीक के पुस्तकालय सेवाओं में प्रयोग को प्रभावी ढंग से संचालित करने हेतु आवश्यक सुझाव देना।

3. अध्ययन पद्धतिः

प्रस्तुत शोध पत्र स्वउद्देश्य पूर्ण निर्देशन पद्धति पर आधारित है तथा अध्ययन से समग्र के रूप में शासकीय महाविद्यालय बरघाट को चुना गया है। महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र/छात्रायें अध्ययन की इकाई है। तथ्यों का संकलन प्राथमिक एवं द्वितीयक तथ्यों को एकत्रित कर किया गया है। प्रश्नावली के माध्यम से अध्ययन के प्राथमिक तथ्यों का संकलन किया गया है। पुस्तकें, संदर्भ ग्रंथों, इंटरनेट पर उपलब्ध साहित्य, शोध पत्रिकाओं के अध्ययन से द्वितीयक तथ्यों को संकलित किया गया है।

4. अध्ययन का क्षेत्रः

शासकीय महाविद्यालय बरघाट, जिला सिवनी (म.प्र.) में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की कक्षाओं का संचालन होता है। वर्तमान में लगभग 3000 छात्र/छात्रायें नियमित रूप से अध्ययनरत है। आंकड़े एकत्रित करने हेतु कुल 200 छात्र/छात्राओं को लाटरी विधि से प्रश्नावली वितरित की गई। जिसमें से 190 छात्र/छात्राओं ने प्रश्नावली निर्धारित समयावधि में भरकर जमा कर दिया है।

प्रस्तुत अध्ययन का कार्यक्षेत्र शासकीय महाविद्यालय बरघाट, जिला सिवनी, म.प्र. में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं की सूचना आवश्यकताओं पर आधारित है।

5. पूर्व किये गये कार्यो की समीक्षा:

साहू तथा सिंह (2020) ने गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं के द्वारा इलेक्ट्रानिक्स स्त्रोतों के माध्यम से सूचना एकत्रित करने के तरीके का अध्ययन किया है। अध्ययन से यह बात निकलकर आई है कि ई-स्त्रोतों को सही ढंग से उपयोग करने में छात्र/छात्राओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इंटरनेट पर बहुसंख्यक मात्रा में सामग्री उपलब्ध रहती है। विद्यार्थियों के उपयोग की जानकारी कहां से प्राप्त होगी इस बात की जानकारी का उन्हें अभाव रहता है।

केशवन (2009) ने अपने अध्ययन में पाया कि नवीन सूचना स्त्रोंतो के आविष्कार ने पुरानी परंपरागत चली आ रही पुस्तकालय सेवाओं मेंआमूलचूल परिवर्तन कर दिया गया है। अब अध्ययन सामग्री आनलाईन ढंग से उपलब्ध है तथा तत्काल जानकारी प्रदान करना अब संभव हो गया है।

त्यागी (2011) ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में अध्ययनत छात्र/छात्राओं की सूचना प्राप्ति तकनीकों तथा उनकी सूचना आवश्यकताओं का अध्ययन किया है। उन्होने अपने अध्ययन मे पाया कि वर्तमान में अधिकांश छात्र/छात्रायें सूचना संसाधनों का प्रयोग प्रचुरता से कर रहे हैं। विषय से संबंधित अद्यतन जानकारी प्राप्त करने हेतु ऑनलाइन शोध पत्रिकाओं को बहुतायत में प्रयोग किया जाता है।

हुसैन (2013) ने उत्तरप्रदेश के अभियांत्रिकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं तथा शैक्षणिक अधिकारियों द्वारा उपयोग किये जा रहे ई-सूचना स्त्रोंतो को प्रयोग करने की विधि का अध्ययन किया है। अध्ययन से स्पष्ट है कि वर्तमान पाठक ई-सूचना स्त्रोंतो के प्रयोगों से भलीभांति परिचित है, परंतु उनका प्रयोग अध्ययन के स्थान पर मनोरंजन, सामान्य सूचना तथा समूह चर्चा में ज्यादा करते हैं।

आफताब और सिंह (2017) ने पाया कि ई संसाधनों की प्रचुरता के बावजूद भी पुस्तकालयों की अपनी महत्ता है। उन्होंने पाया कि पाठ्य पुस्तकों तथा अन्य परांपरागत साधनों द्वारा अध्ययन स्थाई होता है। ऑनलाइन अध्ययन इंटरनेट की उपलब्धता तथा विद्युत के सुचारू प्रवाह पर निर्भर रहता है।

कुमार तथा वर्मा (2018) के अध्ययन के परिणामस्वरूप उन्होंने अपने शोधपत्र में बताया कि छात्र/छात्रायें अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता में करने हेतु ई संसाधनों का प्रयोग प्रचुरता से करने लगे हैं। उन्होंने पाया कि छात्र/छात्रायें कम्प्यूटर पर उपलब्ध मुक्त पहुँच संसाधनों (ओपन एक्सेस रिसोर्सज) का प्रयोग प्रचुरता में करते हैं। इस तरह ई-पाठ्य सामग्री वर्तमान अध्ययन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रही है।

भट्ट (2019) ने अपने अध्ययन मे पाया कि ई-सामग्री उपलब्ध होने से छात्र/छात्रायें अपने सत्रीय कार्य तथा परियोजना कार्य बहुत ही आसानी से पूर्ण कर लेते हैं। वर्तमान मल्टीमीडिया के प्रयोग ने इस कार्य को आसान बना दिया है। छात्र/छात्रायें अपने परियोजना कार्य प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर सकते हैं।

6. **विवेचना :-** अध्ययन से प्राप्त विवेचना को तालिकाओं के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

तालिका क्रं. 6.1
जन सांख्यकीय विश्लेषण

क्रं.	रूपरेखा	वर्गीकरण	संख्या	प्रतिशत
1.	लिंग	छात्र	92	48.42
		छात्रायें	98	51.57
2.	उम्र	20 वर्ष से कम	56	29.47
		20-25 वर्ष	134	70.52
3.	अध्ययन स्तर	स्नातक	70	41.05
		स्नातकोत्तर	112	58.94

सारणी क्रं. 6.1 अध्ययन में सम्मलित उत्तरदाताओं का विश्लेषण प्रदर्शित करती है। उत्तरदाताओं में महिला तथा पुरूष अनुपात लगभग बराबर है। 20 से 25 वर्षो के उत्तरदाताओं की संख्या का प्रतिशत 70.52% है। अध्ययन से यह भी स्पष्ट है कि स्नातकोत्तर स्तर पर अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को प्रमुखता से अध्ययन में सम्मिलित किया गया है। अतः इन उत्तरदाताओं की संख्या अधिक है।

तालिका क्रं. 6.2 सूचना स्त्रोंतो के प्रति जागरूकता

क्रं.	सूचना स्त्रोत	जागरूकता संख्या	प्रतिशत
01.	मोबाइल अनुप्रयोग	190	100
02.	सर्च इंजन	190	100
03.	ई मेल	190	100
04.	फेसबुक	150	78.94
05.	ई अध्ययन सामग्री	120	63.15
06.	ट्वीटर	100	52.63
07.	मूक (मुक्त आनलाईन पाठ्यक्रम)	78	41.05
08.	संस्थागत भंडार	86	45.26
09.	डाटाबेस	82	43.15

तालिका क्रं. 6.2 उत्तरदाताओं की सूचना प्राप्ति में ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता विश्लेषण प्रदर्शित करती है। विश्लेषण से स्पष्ट है कि सभी उत्तरदाता सूचना प्राप्ति के ई-संसाधनों में से मोबाईल अनुप्रयोग, सर्च इंजन तथा ई मेल से परिचित है तथा उनका प्रयोग सूचना प्राप्ति में करते हैं।

लगभग 78.94 प्रतिशत छात्र/छात्रायें फेसबुक तथा 63.15 प्रतिशत छात्र/छात्रायें ट्वीटर के प्रयोग से परिचित हैं। अधिकांश उत्तरदाता लगभग 63.15 ई-अध्ययन सामग्री के उपयोग के पूर्ण रूप से परिचित हैं। तथा डाटावेस के प्रयोग से उत्तरदाताओं में जागरूकता की कमी है। मुक्त आनलाइन पाठ्यक्रम के माध्यम से संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के बारे में छात्र/छात्राओं को पर्याप्त जानकारी का अभाव है।

तालिका क्रं. 6.3 सूचना स्त्रोतों का उपयोग

क्रं.	सूचना स्त्रोंतो का नाम	संख्या	प्रतिशत
1.	मोबाईल अनुप्रयोग	190	100%
2.	सर्च इंजन	190	100%
3.	ई मेल	190	100%
4.	फेसबुक	150	78.94%
5.	ई अध्ययन सामग्री	120	63.15
6.	ट्वीटर	100	52.63
7.	मूक (मुक्त आनलाईन पाठ्यक्रम)	78	41.05
8.	संस्थागत भंडार	86	45.26
9.	डाटावेस	82	43.15

अध्ययन में पाया गया कि सभी उत्तरदाता सूचना प्राप्ति हेतु मोबाईल, सर्च इंजन तथा ई मेल का उपयोग करते हैं। फेसबुक का प्रयोग भी बहुतायत (78.94%) उपयोगकर्ताओं द्वारा किया जाता है।

ई अध्ययन सामग्री का भी प्रयोग अधिकांश उत्तरदाताओं (63.15%) द्वारा किया जाता है। ट्वीटर सूचना प्राप्ति का आवश्यक संसाधन है तथा आधे से अधिक उत्तरदाता (52.63%) ट्वीटर का प्रयोग सूचना प्राप्ति हेतु करते हैं। अध्ययन में यह पाया गया कि मुक्त आनलाइन पाठ्यक्रम, संस्थागत भण्डार तथा डाटाबेस का प्रयोग करने वाले उत्तरदाताओं की संख्या कम है।

तालिका क्रं. 6.4 सूचना स्त्रोतों को प्रयोग करने के उद्देश्य

क्रं.	उद्देश्य	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1.	अध्ययन हेतु	190	100%
2.	सत्रीय कार्य प्रोजेक्ट हेतु	190	100%
3.	कार्यशाला, सेमीनार,समूह चर्चा मे भाग लेने हेतु	190	100%
4.	प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु	190	100%

तालिका क्रं. 6.4 मे स्पष्ट है कि सभी उत्तरदाता सूचना स्त्रोंतो का प्रयोग अध्ययन, सत्रीय कार्य, प्रोजेक्ट, कार्यशाला, सेमीनार में भाग लेने हेतु तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु करते हैं।

तालिका क्रं. 6.5
सूचना स्त्रोतों को प्रयोग करने की आवृत्ति

क्रं.	आवृत्ति	संख्या	प्रतिशत
1.	दैनिक	106	55.78%
2.	सप्ताह मे तीन बार या अधिक	84	44.21%
3.	सप्ताह में एक बार	-	-
4.	एक सप्ताह के बाद	-	-

तालिका क्रं. 6.5 में उत्तरदाताओं द्वारा सूचना स्त्रोंतो के प्रयोग करने की आवृत्ति का पता लगाया गया है। अध्ययन से स्पष्ट है कि आधे से अधिक (55.78%) उत्तरदाता सूचना प्राप्त करने के लिए विभिन्न स्त्रोतों का प्रयोगदैनिक रूप में करते हैं तथा लगभग 44.2% ऐसे भी उत्तरदाता है जो कि सूचना स्त्रोतों का प्रयोग सप्ताह में तीन बार या अधिक करते हैं। अध्ययन यह भी दर्शाता है कि सप्ताह में एक बार या एक सप्ताह से अधिक का समय व्यतीत होने पर सूचना स्त्रोंतो का उपयोग करने वाले उत्तरदाताओं की संख्या नगण्य है।

तालिका क्रं. 6.6
सूचना स्त्रोतों को प्रयोग करने में व्यय होने वाले समय

क्रं.	समय	संख्या	प्रतिशत
1.	एक घंटे तक	-	-
2.	एक से दो घंटे	52	27.36%
3.	दो घंटे से अधिक	138	72.44%

तालिका क्रं. 6.6 से स्पष्ट है कि अधिकांश उत्तरदाता (72.44%) सूचना स्त्रोतों का प्रयोग दो घंटे से अधिक करते हैं। जबकि एक से दो घंटे तक सूचना स्त्रोंतो का प्रयोग करने वाले उत्तरदाताओं की संख्या 27.36% है। एक घंटे से कम सूचना स्त्रोंतो का प्रयोग करने वाले उत्तरदाताओं की संख्या निरंक है।

तालिका क्रं. 6.7
सूचना स्त्रोतों को प्रयोग करने के फायदे

क्रं.	फायदे	संख्या	प्रतिशत
1.	शीघ्रता	190	100%
2.	अद्यतन	190	100%
3.	सरल	190	100%
4.	बांटने मे सरल	190	100%
5.	विश्वसनीयता	190	100%
6.	सार्वभौमिकता	190	100%

अध्ययन से स्पष्ट है कि इलेक्ट्रानिक सूचना स्त्रोंतो के प्रयोग करने के फायदे बहुत अधिक है। सभी उत्तरदाता इस बात से सहमत है कि सूचना स्त्रोंतो का प्रयोग शीघ्रता से पूर्ण किया जा सकता है। इनसे हमें अद्यतन जानकारी प्राप्त होती है जो कि सरलता से दूसरों के साथ बांटी जा सकती है। इनकी विश्वसनीयता तथा सार्वभौमिकता इनके प्रयोग करने का महत्वपूर्ण पक्ष है।

तालिकाक्रं. 6.8
सूचना स्त्रोतों को प्रयोग करने में आने वाली कठिनाईयां

क्रं.	कठिनाई	संख्या	प्रतिशत
1.	पर्याप्त प्रशिक्षण का अभाव	190	100%
2.	इंटरनेट की उपलब्धता	190	100%
3.	संबंधित सूचना ढूंढने मे परेशानी	190	100%
4.	सूचना तकनीकी का पर्याप्त ज्ञान होना	190	100%

अध्ययन में सूचना स्त्रोंतो का प्रयोग करने में आने वाली कठिनाइयों का पता लगाया गया है। अध्ययन से स्पष्ट है कि उत्तरदाताओं को पर्याप्त प्रशिक्षण का अभाव, इंटरनेट की अनुपलब्धता, सूचना तकनीकी का अपर्याप्त ज्ञान तथा सही सूचना ढूंढने मे होने वाली परेशानी आदि सभी उत्तरदाताओं की समस्या है।

तालिका क्रं. 6.9
सूचना स्त्रोतों का प्रभाव

क्रं.	प्रभाव	संख्या	प्रतिशत
1.	उच्च	100	52.63%
2.	सामान्य	90	47.36%
3.	निम्न	0	0%

तालिका क्रं. 6.9 से स्पष्ट है कि 52.63% उत्तरदाता मानते हैं कि सूचना प्राप्त करने के लिए सूचना का प्रभाव उच्च रूप से प्रभावी है। जबकि 47.36% उत्तरदाता ऐसे है जो मानते है कि सूचना स्त्रोंतो का प्रभाव सामान्य है।

7. परिणाम :

उपरोक्त अध्ययन से निम्न रूप से प्रमुख परिणाम प्राप्त हुये हैं :-

- सभी पाठक सूचना स्त्रोंतो के प्रयोग से परिचित हैं।
- अधिकांश पाठक ई-मेल, ई-पत्रिका, ई-पुस्तक आदि के प्रयोग से पूर्णतः परिचित हैं तथा वे इसका उपयोग अपने अध्ययन के लिए करते हैं।
- ई-सूचना स्त्रोत अध्ययन तथा शोध के लिए बहुत उपयोगी होते हैं।
- अधिकांश पाठक दैनिक रूप से ई-सूचना स्त्रोतों का प्रयोग अध्ययन हेतु करते हैं।
- ई-अध्ययन सामग्री जो कि हमें इंटरनेट पर उपलब्ध है उसकी खोज तेज है, प्रामाणिक है तथा अधिक विश्वसनीय है।
- इंटरनेट की गति ग्रामीण क्षेत्रों में समुचित इंटरनेट की सुविधा तथा ई सूचना स्त्रोतों का सही ढंग से प्रयोग आम पाठकों की समस्या है।

8. सुझाव:

- ई-सूचना स्त्रोतों के सही ढंग से प्रयोग करने हेतु प्रशिक्षण तथा उन्मुखीकरण कार्यक्रमों को नियमित अंतराल से आयोजित करना चाहिए।
- उपरोक्त कार्यक्रमों को आयोजित करने हेतु सरकार द्वारा पर्याप्त वित्त प्रदाय किया जाना चाहिए।
- ई-सूचना स्त्रोतों की उपलब्धता के बारे में जानकारी, प्रयोग विधि, बेवसाइट के पते आदि पुस्तकालय के सूचना पटल पर प्रदर्शित होना चाहिए।
- पुस्तकालयों के समुचित उन्नयन हेतु पर्याप्त वित्त प्रदान किया जाना चाहिए।

9. उपसंहार :-

प्रस्तुत अध्ययन से स्पष्ट है कि पुस्तकलयाध्यक्षों से समुचित ज्ञान होना तथा उनके दरों में अद्यतन जानकारी रखना अत्यंत आवश्यक हैं। तभी वह अपने पाठकों को सही ढंग से पुस्तकालय सेवायें प्रदान कर सकते हैं। वर्तमान सूचना तकनीक के इस युग में ई-सूचना स्त्रोंत तात्कालिक रूप से अब तक सूचना प्रदान करते हैं तथा इससे अध्ययनकर्ता लाभान्वित होते हैं।

संदर्भ सूची :

1. भट्ट, एन.ए. (2019) इंपेक्ट ऑफ इनफारमेशन रिर्सोसेज ऑन परफारमेंश ऑफ लाइब्रेरी यूजर्स. दा वाटम लाइन, 32(2), 135-13.
2. हुसैन (2013). यूज ऑफ इलेक्ट्रानिक्स इनफरमेशन रिर्सोसेज एंड सर्विसेज अमंग दा टीचर्स एंड स्टूडेन्ट्स इंस्टीट्यूट आफ इंजीनयरिंग एंड टेक्नालाजी, मैरठ. पर्ल ए जनरल आफ कम्यूनिकेशन टेक्नालाजी 4(4), 1-20.
3. केशवन बी.आर. (2009). डिजीटल लायब्रेरी सर्विसः ए प्रेक्टीकल एप्रोज फार कलेक्शन डेवलपमेंट, आर्गनाइजेशन, एंड मैनेजमेंट. जनरल आफ लायब्रेरी, इनफारमेशन एंड कम्यूनिकेशन टेक्नालाजी 1(1), 1-20.
4. साह, सुरेन्द्र कुमार एवं सोनल सिंह (2020). इम्पेक्ट आॅफ ई रिर्सोसेज आॅन हायर लर्निंगः ए स्टडी इन एकेडमिक लायबे्ररीज. इन शर्मा लेटेस्ट ट्रेन्ड, चैलेंज एंड अपारचुनिटीस. सांईटिफिक पब्लीकेशन, आगरा. 83-88.
5. त्यागी एस (2011). यूज एंड अवेयरनेस आफ इलेक्ट्रानिक्स रिर्सोसेज इन आई.आई.टी. ए केस स्टडी. जनरल आफ *लाइब्रेरी* एंड इनफारमेशन सांईस. 17(1), 11-20.